



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 5, 2011/आषाढ़ 14, 1933

No. 139]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 5, 2011/ASADHA 14, 1933

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 5 जुलाई, 2011

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011

फा. सं. एल.ए.डी.-ए.आर.ओ./जी.एन./2011-12/12/21225.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) विनियम, 1994 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

- इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011 कहा जा सकेगा।
- वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- विनियम 2 में, खंड (कग); में, शब्दों "बोर्ड द्वारा जारी" के पश्चात् और शब्दों "रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक या स्थायी" अंतःस्थापित किए जाएंगे।
- विनियम 3 में,—
 - पार्श्व टिप्पण में, शब्द "प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक रजिस्ट्रीकरण" अंतःस्थापित किए जाएंगे;
 - उप-विनियम (1) में, शब्दों, "निर्गमन बैंककार के रूप में" के पश्चात् और शब्द "प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक रजिस्ट्रीकरण" अंतःस्थापित किए जाएंगे।
- विनियम 7 निम्नानुसार प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात् :—

"7. आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

 - बोर्ड, यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक पात्र है, आवेदक को, इस प्रकार समाधान हो जाने के एक मास के भीतर, सूचना भेजेगा कि इसे आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान दिये जाने के लिए पात्र पाया गया है और प्ररूप 'ख' में प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।
 - उप-विनियम (1) के अधीन प्रदान किया गया आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र आवेदक को इसके जारी किये जाने की तारीख से पांच वर्षों की कालावधि के लिए विधिवान्व होगा।

- (3) निर्गमन बैंककार जिसे बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पहले ही प्रदान किया जा चुका हो, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से पूर्व, और जिसने तीन वर्षों की कालावधि पूरी न की हो, तो यह समझा जाएगा कि उसे इसके रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की तारीख से पाँच वर्षों की कालावधि के लिए आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है दो वर्षों की शेष कालावधि हेतु फीस के भुगतान के अध्यक्षीन, जैसा इन विनियमों की अनुसूची II में विनिर्दिष्ट है।
- (4) आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया जाना इन विनियमों की अनुसूची II में यथाविनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण फीस के भुगतान के अध्यक्षीन होगा।"

6. विनियम 7 के पश्चात् एक नया विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"7क. स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

- (1) निर्गमन बैंककार जिसे विनियम 7 के अधीन आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो या जिसके के बारे में यह समझा गया हो कि उसे आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की कालावधि समाप्त होने से तीन मास पूर्व प्ररूप 'क' में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन कर सकेगा।
- (2) निर्गमन बैंककार जिसे बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पहले ही प्रदान किया जा चुका हो और जिसने पाँच वर्षों की कालावधि पूरी कर ली हो, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ की तारीख को, तो वह, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की विधिमान्यता समाप्त होने से तीन मास पूर्व या उससे पहले, प्ररूप 'क' में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन कर सकेगा।
- (3) उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन आवेदन के साथ इन विनियमों की अनुसूची II में यथाविनिर्दिष्ट अप्रतिदेय आवेदन फीस संलग्न होगी।
- (4) स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के आवेदन के साथ उन परिवर्तनों के ब्यौरे संलग्न होंगे जो उस जानकारी में हुए हों जो बोर्ड को, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या नवीकरण मांगते समय प्रस्तुत की गयी थी, और यह कथन करते हुए एक घोषणा संलग्न होगी कि ऐसे ब्यौरों में यथा उल्लिखित परिवर्तनों से भिन्न कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं।
- (5) उप-विनियम (1) या (2) के अधीन किये गये स्थायी रजिस्ट्रीकरण के आवेदन पर उसी प्रकार कार्यवाही की जाएगी मानो कि यह आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए एक नया आवेदन हो।
- (6) बोर्ड, यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक पात्र हैं, प्ररूप 'ख' में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करेगा और आवेदक को सूचना भेजेगा।
- (7) स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया जाना इन विनियमों की अनुसूची-II में विनिर्दिष्ट फीस के भुगतान के अध्यक्षीन होगा।"

7. विनियम 8 का लोप हो जाएगा।

8. विनियम 8क में, उप-विनियम (1) में,—

- (i) आरंभिक वाक्य में शब्द तथा अंक "विनियम 7 के अधीन प्रदान किया गया कोई रजिस्ट्रीकरण या विनियम 8 के अधीन प्रदान किया गया कोई नवीकरण" शब्दों तथा अंकों "विनियम 7क के अधीन प्रदान किया गया कोई आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या विनियम 7क के अधीन प्रदान किया गया स्थायी रजिस्ट्रीकरण" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे;
- (ii) खंड (ग) में, शब्द "रजिस्ट्रीकरण या नवीकरण" शब्दों "आरंभिक या स्थायी रजिस्ट्रीकरण" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

9. विनियम 8ख का लोप हो जाएगा।

10. विनियम 9 में,—

- (i) उप-विनियम (1) में, शब्द तथा अंक "जहाँ विनियम 3 के अधीन प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए या विनियम 8 के अधीन नवीकरण" शब्दों तथा अंकों "जहाँ विनियम 3 के अधीन आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या विनियम 7क के अधीन स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे;
- (ii) उप-विनियम (2) में, शब्द "पंजीकरण करने या उसका नवीकरण करने" शब्दों "यथास्थिति, आरंभिक या स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रदान किये जाने" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

11. विनियम 10 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात् :—

“10. स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने से इंकार का प्रभाव

निर्गमन बैंककार जिसका स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने का आवेदन बोर्ड द्वारा नामंजूर कर दिया गया हो, वह सूचना की प्राप्ति की तारीख से ही, निर्गमन बैंककार के रूप में कोई क्रियाकलाप करना छोड़ देगा :

परंतु यह कि बोर्ड, प्रतिभूति बाजार के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में, नामंजूरी की सूचना की प्राप्ति से पूर्व लिए हुए क्रियाकलाप करने की अनुमति ऐसी शर्त के अधीन दे सकेगा जो बोर्ड विनिर्दिष्ट करें।”

12. विनियम 11 में, उप-विनियम (1) में, शब्द “प्रमाणपत्र” के पूर्व शब्द “यथास्थिति, आरंभिक या स्थायी रजिस्ट्रीकरण” अंतर्स्थापित किये जाएंगे।

13. अनुसूची I में,—

(i) प्ररूप क में,—

क. शब्द तथा अंक “विनियम 3” शब्दों, अंकों तथा चिह्न “विनियम 3/विनियम 7क” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

ख. शब्द तथा चिह्न “निर्गमन बैंककार के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र दिए जाने/प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन” शब्दों तथा “चिह्न निर्गमन बैंककार के रूप में “आरंभिक/स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

(ii) प्ररूप ख में,—

क. शब्द तथा अंक “विनियम 7” शब्दों, अंकों तथा चिह्न “विनियम 7/विनियम 7क” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

ख. शब्द “रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र” शब्दों तथा चिह्न “आरंभिक/स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

ग. पैरा 3 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेंगे, अर्थात् :—

“3 यह रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र..... से तक/स्थायी रूप से विधिमान्य होगा जब तक कि बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाये।”

14. अनुसूची II में,—

i. पैरा 1 तथा 2 निम्नलिखित पैरा से प्रतिस्थापित हो जायेंगे, अर्थात् :—

“1. प्रत्येक निर्गमन बैंककार आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के समय तेरह लाख तैंतीस हजार और तीन सौ रुपये की फीस अदा करेगा।

1क. विनियम 7 के उप-विनियम (3) के अधीन निर्दिष्ट निर्गमन बैंककार पैरा 2 के अधीन विहित फीस के आनुपातिक आधार पर दो वर्षों की शेष कालावधि के लिए फीस अदा करेगा।

2. निर्गमन बैंककार जिसे स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया हुआ हो, अपने रजिस्ट्रीकरण को प्रवृत्त रखने के लिए, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने की तारीख से छठे वर्ष से, या नवीकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की कालावधि के पूरा होने से प्रत्येक तीन वर्ष पाँच लाख रुपये की फीस अदा करेगा।

ii. पैरा 3 में,—

क. खंड (क) के पश्चात्, एक नया खंड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(कक) पैरा 1क में निर्दिष्ट फीस निर्गमन बैंककार द्वारा, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के पूरा होने से तीन मास पूर्व की कालावधि के भीतर, या इन विनियमों की अधि सूचना की तारीख से तीन मास की कालावधि के भीतर अदा की जायेगी।”

ख. खंड (ख) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—

“(ख) पैरा 2 में निर्दिष्ट फीस निर्गमन बैंककार द्वारा, स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रदान किये जाने के समय, विनियम 7क के उप-विनियम (6) के अधीन बोर्ड से सूचना की प्राप्ति की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर अदा की जायेगी और तत्पश्चात् फीस उस ब्लॉक की समाप्ति से तीन मास पूर्व अदा की जायेगी जिस ब्लॉक के लिए फीस अदा की जा चुकी हो।”

iii. पैरा 3क में, शब्द “विनियम 8 के उप-विनियम (1क) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण” शब्दों “विनियम 7क के उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन स्थायी रजिस्ट्रीकरण” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे;

iv. पैरा 4 में, शब्द तथा अंक “1, 2 और 3क” शब्द तथा अंकों “1, 1क, 2 और 3क” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69 जेडबी/11/असा.]

पाद टिप्पण :

1. मूल विनियम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) विनियम, 1994, फा. सं. सेबी/एलई/7/94, 14 जुलाई, 1994 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) विनियम, 1994 तत्पश्चात् :
 - (क) 28 नवम्बर, 1995 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 1995, सं. का.आ. 939(अ), द्वारा
 - (ख) 5 जनवरी, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1998, सं. का.आ. 15(अ), द्वारा
 - (ग) 30 सितम्बर, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1999, सं. का.आ. 800(अ), द्वारा
 - (घ) 28 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000, सं. का. आ. 278(अ), द्वारा
 - (ङ) 29 मई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, सं. का. आ. 476(अ), द्वारा
 - (च) 27 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जाँच अधिकारी द्वारा जाँच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, सं. का.आ. 1045(अ), द्वारा
 - (छ) 1 अक्टूबर, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 1159(अ), द्वारा
 - (ज) 10 मार्च, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, सं. का. आ. 398(अ), द्वारा
 - (झ) 7 सितम्बर, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 1449(अ), द्वारा
 - (ञ) 26 मई, 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008, अधिसूचना सं. एलएडी/एनआरओ/जीएन/2008/11/126538 द्वारा
 - (ट) 13 अप्रैल, 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [कुछ मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज) के रजिस्ट्रीकरण की शर्तों में परिवर्तन] (संशोधन) विनियम, 2011, अधिसूचना सं. एलएडी/एनआरओ/जीएन/2011-12/03/12650, द्वारा संशोधित हुआ था।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 5th July, 2011.

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(BANKERS TO AN ISSUE) (AMENDMENT) REGULATIONS, 2011

No. LAD-NRO/GN/2011-12/121225.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) Regulations, 1994, namely :—

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) (Amendment) Regulations, 2011.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In regulation 2, in clause (ac), after the words “certificate of” and before the words “registration issued by the Board” the words “initial or permanent” shall be inserted.
4. In regulation 3,—
 - i. in the marginal note, after the word “certificate” the words “of initial registration” shall be inserted;
 - ii. in sub-regulation (1), after the word “certificate” and before the words “as banker to an issue” the words “of initial registration” shall be inserted.

5. Regulation 7 shall be substituted as follows, namely :—

“7. Grant of certificate of initial registration.

- (1) The Board, on being satisfied that the applicant is eligible, shall send an intimation to the applicant, within one month of such satisfaction, that it has been found eligible for grant of certificate of initial registration and grant a certificate in Form B.
- (2) The certificate of initial registration granted under sub-regulation (1) shall be valid for a period of five years from the date of its issue to the applicant.
- (3) The banker to an issue who has already been granted certificate of registration by the Board, prior to the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) (Amendment) Regulations, 2011, and has not completed a period of three years, shall be deemed to have been granted a certificate of initial registration for a period of five years from the date of its certificate of registration, subject to payment of fee for the remaining period of two years, as specified in Schedule II of these regulations.
- (4) The grant of certificate of initial registration shall be subject to payment of the registration fee as specified in Schedule II of these regulations”.

6. After regulation 7, a new regulation shall be inserted, namely :—

“7A. Grant of certificate of permanent registration.

- (1) The banker to an issue who has been granted or deemed to have been granted a certificate of initial registration under regulation 7, may, three months before the expiry of the period of certificate of initial registration, make an application for grant of a certificate of permanent registration in Form A.
- (2) The banker to an issue who has already been granted a certificate of registration by the Board and has completed a period of five years, on the date of commencement of the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) (Amendment) Regulations, 2011, may, three months before the expiry of validity of certificate of registration or before, make an application for grant of a certificate of permanent registration in Form A.
- (3) An application under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) shall be accompanied by non-refundable application fee as specified in Schedule II of these regulations.
- (4) The application for grant of a certificate of permanent registration shall be accompanied by details of the changes that have taken place in the information that was submitted to the Board while seeking initial registration or renewal, as the case may be, and a declaration stating that no changes other than those as mentioned in such details have taken place.
- (5) The application for permanent registration made under sub-regulation (1) or (2) shall be dealt with in the same manner as if it were a fresh application for grant of a certificate of initial registration.
- (6) The Board, on being satisfied that the applicant is eligible, shall grant a certificate of permanent registration in Form B and shall send an intimation to the applicant.
- (7) The grant of certificate of permanent registration shall be subject to payment of fees specified in Schedule II of these regulations.”

7. Regulation 8 shall be omitted.

8. In regulation 8A, in sub-regulation (1),—

- i. in the opening sentence the words and figure “registration granted under regulation 7 or any renewal granted under regulation 8” shall be substituted with the words and figures “initial registration granted under regulation 7 or permanent registration granted under regulation 7A”;
- ii. in clause (c), the words “registration or renewal” shall be substituted with the words “initial registration or permanent registration”.

9. Regulation 8B shall be omitted.

2499 GI/11-2

10. In regulation 9,—

- i. in sub-regulation (1), the words and figures “under regulation 3 or of renewal under regulation 8” shall be substituted with the words and figures “of initial registration under regulation 3 or of permanent registration under regulation 7A”;
- ii. in sub-regulation (2), the words “refusal to grant or renew registration” shall be substituted with the words “refusal to grant initial or permanent registration, as the case may be.”.

“11. Regulation 10 shall be substituted with the following, namely :—

“10. Effect of refusal to grant certificate of permanent registration.

A banker to an issue whose application for grant of certificate of permanent registration has been refused by the Board, on and from the date of the receipt of the communication, shall cease to carry on any activity as banker to an issue :

Provided that the Board may, in the interest of the investors of the securities market, permit to carry on activities undertaken prior to the receipt of the intimation of refusal subject to such condition as the Board may specify.”

12. In regulation 11, in sub-regulation (1), after the word “certificate” and before the words “shall pay such fees” the words “of initial or permanent registration, as the case may be,” shall be inserted.

13. In Schedule I—

i. in Form A,—

- a. the word and figure “Regulation 3” shall be substituted with the words, figures and sign “Regulation 3/ Regulation 7A”.
- b. the words and sign “Application for grant/renewal of certificate of registration as bankers to the Issue” shall be substituted with the words and sign “Application for Grant of Certificate of Initial/ Permanent Registration as Banker to the Issue”.

ii. in Form B,—

- a. the word and figure “Regulation 7” shall be substituted with the words, figures and sign “Regulation 7/Regulation 7A”.
- b. the words “Certificate of Registration” shall be substituted with the words and sign “Certificate of Initial/Permanent Registration”.
- c. paragraph III shall be substituted with the following, namely :—
“III. This certificate of registration shall be valid from to / for permanent, unless suspended or cancelled by the Board.”

14. In schedule II,—

i. paragraph 1 and 2 shall be substituted with the following paragraphs, namely :—

- “1. Every banker to an issue shall pay fees of thirteen lakh thirty three thousand and three hundred rupees at the time of grant of certificate of initial registration.

1A. A banker to an issue referred to under sub-regulation (3) of regulation 7, shall pay fee for the remaining period of two years on *pro rata* basis of the fees prescribed under paragraph 2.

2. A banker to an issue who has been granted a certificate of permanent registration, to keep its registration in force, shall fees of five lakh rupees every three years from the sixth year from the date of grant of certificate of initial registration, or from completion of the period of renewed certificate of registration, as the case may be.”

ii. in paragraph 3,—

a. after clause (a), a new clause shall be inserted, namely :—

- “(aa) The fees referred to in paragraph 1A shall be paid by the banker to an issue within a period of three months before completion of the period of three years from the date of grant of certificate of initial registration, or within a period of three months from the date of notification of these regulations, as the case may be.”;

"b. clause (b) shall be substituted with the following, namely :—

- "(b) The fee referred to in paragraph 2 shall be paid, by the banker to an issue, at the time of grant of permanent registration, within fifteen days from the date of receipt of intimation from the Board under sub-regulation (6) of regulation 7A and thereafter the fee shall be paid three months before expiry of the block for which fee has been paid."
- iii. in paragraph 3A, the words "renewal of registration under sub-regulation (1A) of regulation 8" shall be substituted with the words "permanent registration under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) of regulation 7A".
- iv. in paragraph 4, the word and figures "1, 2 and 3A" shall be substituted with the word and figures "1, 1A, 2 and 3A".

U. K. SINHA, Chairman

[ADVT. III/4/69-ZB/11/Exty.]

Footnotes :

1. The principal regulations Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) Regulations, 1994 were published in Official Gazette of India on July 14, 1994 *vide* F. No. SEBI/LE/7/94.
2. The Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) Regulations, 1994 was subsequently amended on :
 - (a) November 28, 1995 by the Securities and Exchange Board of India (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 1995 *vide* No. S.O. 939(E);
 - (b) January 5, 1998 by Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) (Amendment) Regulations, 1998 *vide* No. S.O. 15(E).
 - (c) September 30, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) (Amendment) Regulations, 1999 *vide* No. S.O. 800(E).
 - (d) March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 *vide* No. S.O. 278(E).
 - (e) May 29, 2001 by Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 *vide* No. S.O. 476(E).
 - (f) September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 *vide* No. S.O. 1045(E).
 - (g) October 1, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) (Amendment) Regulations, 2003 *vide* No. S.O. 1159(E).
 - (h) March 10, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 *vide* No. S.O. 398(E).
 - (i) September 7, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) (Amendment) Regulations, 2006 *vide* No. S.O. 1449(E).
 - (j) May 26, 2008 by the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008 *vide* Notification No. LAD/NRO/GN/2008/11/126538.
 - (k) April 13, 2011 by the Securities and Exchange Board of India (Change in Conditions of Registration of Certain Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2011 *vide* Notification No. LAD/NRO/GN/2011-12/03/12650.